अंधता से बडी कोई विकलांगता नहीं – राज्य मंत्री चन्द्रिका उपाध्याय

चित्रकूट 30 दिसम्बर 2019 । राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम रसिन जिला चित्रकूट को अंधत्व से मुक्त करने का शुभारम्भ लोक निर्माण राज्य मंत्री उ0प्र0 चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर 1950 में अंधत्व निवारण के कार्यक्रम की शुरुआत करने वाले संत रणछोडदास जी की प्रतिमा में पुष्प, माला पूजा कर किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डा0 बी0 के0 जैन ने बताया कि पूज्य रणछोडदास जी 70 वर्ष पहले इसका शुभारंभ कर चुके थे। 1950 से लगातार सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट लगा हुआ है। ट्रस्ट द्वारा अभी तक 60 लाख से ज्यादा लोगों को नेत्र ज्योति प्रदान की जा चुकी है। आज की तारीख विश्व में ग्रामीण क्षेत्र में ट्रस्ट के अलावा कोई दूसरी संस्था नहीं है जो अंधत्व के क्षेत्र में इतने बडे पैमाने में कार्य कर रही हो। आज इसकी शुरुआत मंत्री महोदय के गृहग्राम रसिन से हो रही है जो कि विश्व में अभी तक ऐंसा काम नहीं हुआ है। यह एक माडल के रूप में रिसर्च सेंटर जाना जायेगा। हम मंत्री महोदय के आभारी हैं जिन्होने हमें अंधत्व निवारण के लिये मौका दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा की विस्तृत रूप से जानकारी डा0 इलेश जैन ने दिया। उन्होने ने बताया कि हम पूरे ग्रामसभा रसिन के घर–घर जाकर नेत्र परीक्षण करेंगे। इसके लिये हमारी मेडिकल टीम तैयार है। यह पूरा काम जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पूरा होगा। जिसकी अनुमति हमें जिला अधिकारी श्री शेषमणि पाण्डेय जी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 यादव जी से मिल चुकी है। इस परिकल्पना की नींव ही जिलाधिकारी श्री शेषमणि पाण्डेय जी के द्वारा रखी गयी है। उन्ही के मार्गदर्शन पर यह कार्य प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 बी0 के0 यादव ने कहा कि हम इसके लिये हर संभव मदद करेंगे। मैं जब तक रहूँगा पूरे जिले के साथ–साथ इस ग्राम को स्वास्थ्य की सभी सुविधायें प्रदान करने की पुरजोर कोशिस करूँगा। इस कार्यक्रम में महिला बाल–विकास के काय्रक्रम अधिकारी श्री मनोज जी का भी पूरा सहयोग प्राप्त है। दोप प्रज्ज्वलित कर श्री उपाध्याय जी ने डा0 बी0 के0 जैन का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह संकल्प जरूर पूरा होगा। पक्का इरादा, दृढइच्छा शक्ति, दूर दृष्टिता के आगे कोई भी काम छोटा बडा नहीं होता है। उपाध्याय जी ने गिलहरी का उदाहरण देते हुये सेतु बन्ध के समय श्रीराम ने गिलहरी के समर्पण एवं उसके किये गये प्रयासों का दिया। उन्होने कहा कि अन्धता से बडी कोई भी विकलांगता नहीं होती है इसीलिये आप सभी लोग इसका लाभ उठायें। जिस अस्पताल का दुनिया में नाम है वह अस्पताल यहां खुद चलकर डा0 जैन के माध्यम से आया है। आज यहां पर भारत में ख्याति प्राप्त नेत्र विशेषज्ञ डा0 देवेन्द्र सूद भी आप लोगों के बीच उपस्थित है जो आप सभी के लिये सौभाग्य की बात है। उन्होने स्वच्छता के लिये भी लोगों को प्रेरित किया। छोटे बच्चों को चश्मा भी पहनाया और कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें जिससे अंधता आये ही नहीं। उन्होने स्वयं अपनी ऑख का परीक्षण कराया और दूसरों को भी कहा कि इस अवसर का लाभ अवश्य लें। इस अवसर पर 260 मरीजों की जांच की गई जिसमें मधुमेह (शुगर) से पीडित 138 मरीज पाये गये जिनमें 25 मरीजों में मधुमेह की मात्रा अत्याधिक पायी गई। दृष्टिदोष से पीडित 30 मरीज चिन्हित किये गये जिनमें 23 लोगों को मोतियाबिन्द से प्रभावित रहे। इस अवसर पर ग्राम रसिन के प्रधान श्री संतकुमार पटेल एवं रतननाथ इंटर कॉलेज के प्राचार्य श्री पाठक जी सहित उनके स्टाफ का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय अधीक्षक डा0 आर0 के0 गुप्ता, डा0 कटियार आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता के सहित गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।